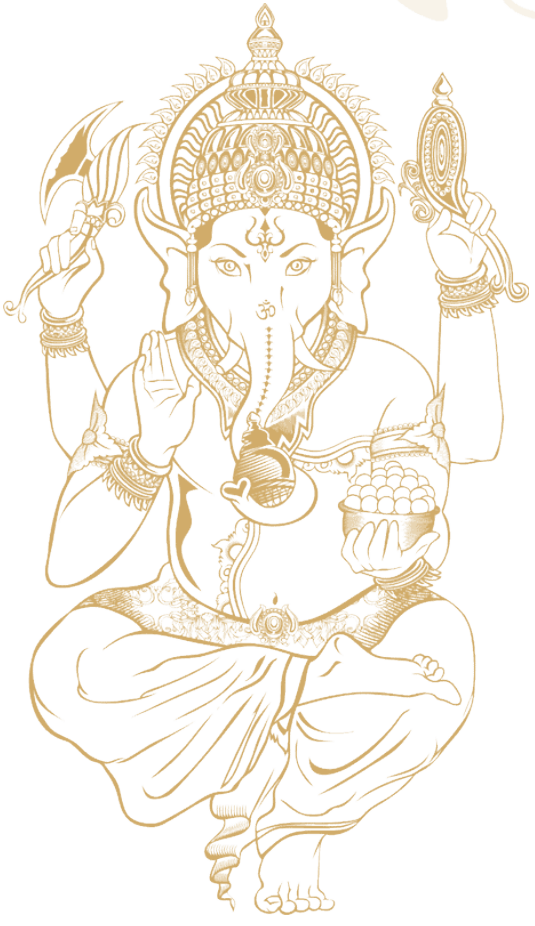

Isha

03 Jun 2002

03:23 PM

Buxur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121811702

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/06/2002**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**15:23:00 घंटे**
इष्ट	25:50:04 घटी
स्थान	**Buxur**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:35:00 उत्तर
रेखांश	84:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:06:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	15:29:00 घंटे
वेलान्तर	00:01:56 घंटे
साम्पातिक काल	08:15:45 घंटे
सूर्योदय	05:02:58 घंटे
सूर्यास्त	18:41:24 घंटे
दिनमान	13:38:27 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	18:45:55 वृष
लग्न के अंश	06:30:27 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	विष्कुम्भ
करण	कौलव
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मेष
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	से-सेविका
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	06:30:27	318:52:39	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	चंद्र	---
सूर्य			वृष	18:45:55	00:57:28	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
चंद्र			कुंभ	23:14:50	11:55:04	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	10:00:31	00:39:22	आर्द्रा	2	6	बुध	राहु	गुरु	शत्रु राशि
बुध	व	अ	वृष	08:25:31	00:21:07	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	मित्र राशि
गुरु			मिथु	23:10:31	00:12:12	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मिथु	22:37:51	01:11:08	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	मित्र राशि
शनि		अ	वृष	23:46:54	00:07:47	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
राहु	व		वृष	23:59:16	00:00:06	मृगशिरा	1	5	शुक्र	मंगल	मंगल	मित्र राशि
केतु	व		वृश्चि	23:59:16	00:00:06	ज्येष्ठा	3	18	मंगल	बुध	मंगल	मित्र राशि
हर्ष	व		कुंभ	04:56:58	00:00:01	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	---
नेप	व		मक	16:58:45	00:00:39	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	---
प्लूटो	व		वृश्चि	22:29:30	00:01:36	ज्येष्ठा	2	18	मंगल	बुध	चंद्र	---
दशम भाव			कर्क	07:47:56	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	केतु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:53:10

लग्न-चलित

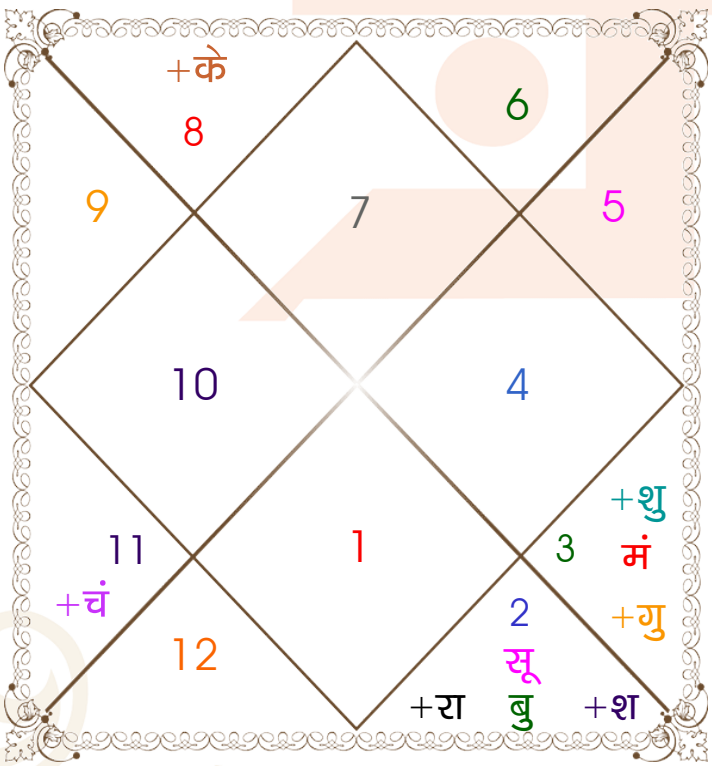

चन्द्र कुंडली

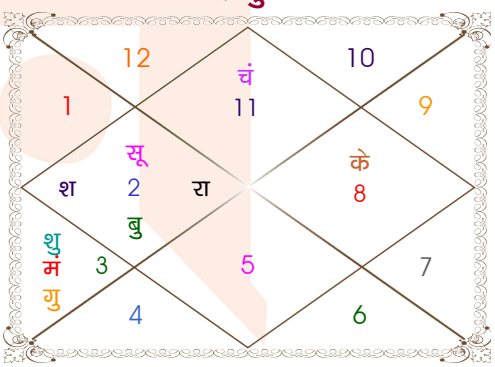

नवमांश कुंडली

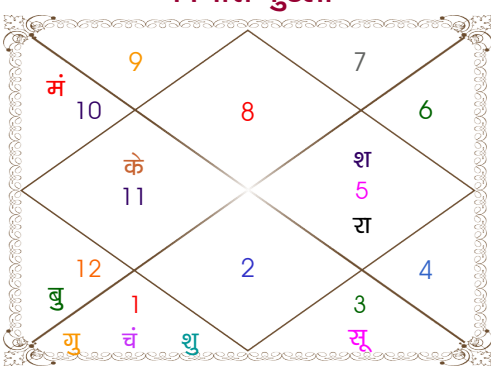

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 1 मास 7 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
03/06/2002		11/07/2014		11/07/2033		11/07/2050		11/07/2057	
11/07/2014		11/07/2033		11/07/2050		11/07/2057		11/07/2077	
	03/06/2002	शनि	14/07/2017	बुध	07/12/2035	केतु	07/12/2050	शुक्र	09/11/2060
शनि	11/03/2003	बुध	23/03/2020	केतु	03/12/2036	शुक्र	06/02/2052	सूर्य	09/11/2061
बुध	16/06/2005	केतु	02/05/2021	शुक्र	04/10/2039	सूर्य	13/06/2052	चंद्र	11/07/2063
केतु	23/05/2006	शुक्र	01/07/2024	सूर्य	10/08/2040	चंद्र	12/01/2053	मंगल	09/09/2064
शुक्र	21/01/2009	सूर्य	13/06/2025	चंद्र	09/01/2042	मंगल	10/06/2053	राहु	10/09/2067
सूर्य	09/11/2009	चंद्र	13/01/2027	मंगल	06/01/2043	राहु	29/06/2054	गुरु	11/05/2070
चंद्र	11/03/2011	मंगल	21/02/2028	राहु	26/07/2045	गुरु	05/06/2055	शनि	11/07/2073
मंगल	15/02/2012	राहु	28/12/2030	गुरु	01/11/2047	शनि	13/07/2056	बुध	10/05/2076
राहु	11/07/2014	गुरु	11/07/2033	शनि	11/07/2050	बुध	11/07/2057	केतु	11/07/2077

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
11/07/2077		11/07/2083		11/07/2093		11/07/2100		12/07/2118	
11/07/2083		11/07/2093		11/07/2100		12/07/2118		00/00/0000	
सूर्य	28/10/2077	चंद्र	10/05/2084	मंगल	07/12/2093	राहु	25/03/2103	गुरु	29/08/2120
चंद्र	29/04/2078	मंगल	10/12/2084	राहु	25/12/2094	गुरु	17/08/2105	शनि	04/06/2122
मंगल	04/09/2078	राहु	10/06/2086	गुरु	01/12/2095	शनि	23/06/2108		00/00/0000
राहु	29/07/2079	गुरु	10/10/2087	शनि	09/01/2097	बुध	10/01/2111		00/00/0000
गुरु	17/05/2080	शनि	11/05/2089	बुध	06/01/2098	केतु	29/01/2112		00/00/0000
शनि	29/04/2081	बुध	10/10/2090	केतु	04/06/2098	शुक्र	29/01/2115		00/00/0000
बुध	05/03/2082	केतु	11/05/2091	शुक्र	04/08/2099	सूर्य	23/12/2115		00/00/0000
केतु	11/07/2082	शुक्र	09/01/2093	सूर्य	10/12/2099	चंद्र	23/06/2117		00/00/0000
शुक्र	11/07/2083	सूर्य	11/07/2093	चंद्र	11/07/2100	मंगल	12/07/2118		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 1 मा 10 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगी। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगी। आप अपने पति के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगी। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र की विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगी। आप अपने पति की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पति के आकर्षण के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकती हैं। संप्रति आप अपने साथी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगी कि आपको एक अच्छा जीवन संगी प्राप्त हुआ है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि के जीवन साथी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि के साथी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपने जीवन साथी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगी। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपके संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगी।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगी। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगी। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु बृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकती हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकती हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु अपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए। आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके, यह जानती हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकती हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाती हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करती हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकती हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति की हो जाती है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सकी तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगी। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।